UP TGT-PGT Daily Rank Booster, Hindi Day -12

ENTRI

1. **'नमक का दरोगा' कहानी के लेखक का नाम है-**

A प्रेमचंद

B अमरकांत

C भीष्म साहनी

D यशपाल

Solution

नमक का दरोगा प्रेमचंद द्वारा रचित लघु कथा है। इसमें एक ईमानदार नमक निरीक्षक की कहानी को बताया गया है जिसने कालाबाजारी के विरुद्ध आवाज उठाई। यह कहानी धन के ऊपर धर्म के जीत की है। कहानी में मानव मूल्यों का आदर्श रूप दिखाया गया है और उसे सम्मानित भी किया गया है।

सत्यनिष्ठा, धर्मनिष्ठा और कर्मपरायणता को विश्व के दुर्लभ गुणों में बताया गया है। अन्त में यह शिक्षा दी गयी है कि एक बेइमान स्वामी को भी एक इमानदार कर्मचारी की तलाश रहती है। यह प्रेमचन्द की सामाजिक कहानी। यह कहानी समाज की यथार्थ स्थिति का उल्लेख करती है।

2. **‘तीन बेर खाती थी वे तीन बेर खाती हैं’ इस पंक्ति में कौन सा अलंकार है?**

A यमक अलंकार

B रूपक अलंकार

C उपमा अलंकार

D उत्प्रेक्षा अलंकार

Solution

‘तीन बेर खाती थी वे तीन बेर खाती हैं’ ये ‘यमक अलंकार का भेद है। यहां पर ‘तीन बेर’ का प्रथम अर्थ ‘तीन समय’ और दूसरा अर्थ ‘तीन बेर’ (फल) से है। जब शब्द की एक से ज़्यादा बार आवृति होती है एवं विभिन्न अर्थ निकलते हैं तो वहाँ यमक अलंकार होता है।

3. **जब कोई वाक्य अलग होते हुए भी जब कहीं न कहीं एक दूसरे से संबंध रखते हों, वहाँ किस विराम चिन्ह का प्रयोग होता है?**

A पूर्ण विराम

B **अर्द्ध विराम**

C उपविराम

D अल्पविराम

Solution

अर्द्ध विराम (;)- जब किसी वाक्य को एक दूसरे से संबन्धित बताना हो अर्थात वाक्य अलग होते हुए भी जब कहीं न कहीं एक दूसरे से संबंध रखते हों तब इनका उपयोग किया जाता है या अल्प विराम से थोड़ा अधिक रुकना हो तो वहाँ पर अर्द्ध विराम का उपयोग किया जाता है।

4. भक्ति का प्रस्थान ग्रंथ किसे कहा गया?

A विष्णुपुराण

B छान्दोग्य उपनिषद्

C **श्रीमद्भगवद्गीता**

D रामायण

Solution

श्रीमद्भगवद्गीता, ब्रह्मसूत्र तथा उपनिषदों को सामूहिक रूप से प्रस्थानत्रयी कहा जाता है जिनमें प्रवृत्ति और निवृत्ति दोनों मार्गों का तात्त्विक विवेचन है। ये वेदान्त के तीन मुख्य स्तम्भ माने जाते हैं। इनमें उपनिषदों को श्रुति प्रस्थान, भगवद्गीता को स्मृति प्रस्थान और ब्रह्मसूत्रों को न्याय प्रस्थान कहते हैं।

प्राचीन काल में भारतवर्ष में जब कोई गुरू अथवा आचार्य अपने मत का प्रतिपादन एवं उसकी प्रतिष्ठा करना चाहता था तो उसके लिये सर्वप्रथम वह इन तीनों पर भाष्य लिखता था। निम्बार्काचार्य, आदि शंकराचार्य, रामानुजाचार्य, मध्वाचार्य आदि बड़े-बड़े गुरुओं ने ऐसा कर के ही अपने मत का प्रतिपादन किया।

5. **‘शायद वह कल नहीं जाएगा‘ इस वाक्य में प्रयुक्त काल को पहचानें।**

A भूतकाल

B अपूर्ण वर्तमान काल

C **संभाव्य भविष्य काल**

D वर्तमान काल

Solution

‘शायद वह कल नहीं जाएगा‘- वाक्य में ‘संभाव्य भविष्य काल’ है।

संभाव्य भविष्य काल- क्रिया के जिस रूप से उसके भविष्य में होने का बोध हो वहाँ संभाव्य भविष्य काल होता है। जैसे - हो सकता है कि तुम्हें आना पड़े। जैसे - शायद यही वो लड़का है।

6. व्यथित’ शब्द में निम्नलिखित में से कौन-सा प्रत्यय होगा?

A इत

B व्या

C थित

D अथित

Solution

‘व्यथा’ शब्द में ‘इति प्रत्यय के योग से ‘व्यथित’ प्रत्यय का निर्माण हुआ है।

यह विशेषण बनाने वाला तद्धित प्रत्यय है।

संज्ञा सर्वनाम और विशेषण के अन्त में लगने वाले प्रत्यय को 'तद्धित' कहा जाता है

‘इति’ प्रत्यय से बने अन्य शब्द हैं- फलित, आनंदित, खंडित, सामाजिक आदि।

7. **निम्नलिखित में से कौन सा वाक्य अशुद्ध है?**

A इस समाज में शिक्षितों की कमी है।

B मैं शिक्षित व्यक्ति हूँ।

C **यह पठित लोगों का समाज है।**

D शिक्षित व्यक्ति अपेक्षाकृत समझदार होता है।

Solution

'यह पठित लोगों का समाज है।' अशुद्ध वाक्य है क्योंकि इसमें विशेषण संबंधी त्रुटि है।

वाक्य में 'पठित लोगों' के स्थान पर उचित विशेषण का प्रयोग नहीं है, उसके स्थान पर 'शिक्षित लोगो' विशेषण प्रयुक्त होगा।

8. कौन सा युग्म सुमेलित नहीं है?

A मित्र – मित्रगण

B चिड़िया – चिड़ियाँ

C नारी – नारियाँ

D दिल्ली – दिल्लीयां

Solution

‘दिल्ली – दिल्लीयां’ सुमेलित नहीं है क्योंकि किसी स्थान का नाम जैसा होता है वैसा ही लिखा जाता है उन्मने कोई परिवर्तन नहीं किया जा सकता। इसलिए ‘दिल्ली’ एकवचन शब्द है और वह इसी रूप में प्रयुक्त होगा।

9. **किस वाक्य में विराम चिन्ह सही रूप में प्रयोग किए गए हैं?**

A रोको मत। जाने दो।

B रोको मत, जाने दो।

C रोको, मत जाने दो:

D रोको मत जाने, दो।

Solution

किसी बात को कहने एवं उसके अर्थ को स्पष्ट रूप से कहने के लिए हम विराम लेते हैं जो लिखते समय चिन्हों के रूप में दर्शाया जाता है, ये ही विराम चिन्ह कहलाते हैं।

जब हम लिखित रूप में वाक्य को अधिक स्पष्ट रूप से समझने के लिए कभी पहले, बीच में, अंत में या फिर अन्य रूपों में ठहरते हैं तो वो विराम कहलाता है और जब हम इसे किसी चिन्ह के माध्यम से दर्शाते हैं तो ये विराम चिन्ह कहलाते हैं।

10. **‘संतो भाई आई ज्ञान की आंधी रे’ में कौन-सा अलंकार होगा?**

A रूपक अलंकार

B उपमा अलंकार

C उत्प्रेक्षा अलंकार

D अनुप्रास अलंकार

Solution

‘संतो भाई आई ज्ञान की आंधी रे’ में रूपक अलंकार है। यहाँ ज्ञान के आगमन को आँधी का रूप प्रदान किया गया है। जहाँ गुण की अत्यंत समानता के कारण उपमेय में ही उपमान का अभेद आरोप कर दिया हो, वहाँ रूपक अलंकार होता है।

ENTRI

GET IT ON Google Play